

(ii) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण -

वे विशेषण शब्द जो किसी अनिश्चित संख्या का बोध कराते हैं, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं- जैसे - थोड़े, बहुत, कम, ज्यादा थोड़े लड़के, ज्यादा लड़कियाँ, बहुत गायेँ, कम वकारियाँ, कुछ कुर्सियाँ इत्यादि

### ③ परिमाणवाचक विशेषण-

वे विशेषण शब्द जो किसी निश्चित या अनिश्चित नाप/माप/तौल इत्यादि का बोध कराते हैं, परिमाण-वाचक विशेषण कहलाते हैं-

जैसे- दो मीटर कपड़ा, तीन लीटर दूध, पाँच किलो आलू, थोड़ा घी, ज्यादा पानी इत्यादि

परिमाणवाचक विशेषण के दो उपभेद होते हैं -

(i) निश्चित परिमाणवाचक

(ii) अनिश्चित परिमाणवाचक

(i) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण - वे विशेषण शब्द जो किसी नाप/माप/तौल इत्यादि की निश्चितता का बोध कराते हैं, निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं -

जैसे - एक मीटर रस्सी, दो लीटर पानी, तीन किलो सेब, पाँच किलो चावल



(ii) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण -

वे विशेषण शब्द जो किसी नाप, माप, तौल इत्यादि की अनिश्चितता का बोध कराते हैं, अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं -

जैसे - थोड़ा, बहुत, कम, ज्यादा, जरा-सा इत्यादि

थोड़ा कपड़ा, बहुत घी, कम चीनी, ज्यादा पानी, जरा-सा नमक।

## ④ सार्वनामिक विशेषण/संकेतवाचक विशेषण-

वे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा के तुरन्त पहले प्रयुक्त होकर विशेषता का बोध कराते हैं अर्थात् जब कोई सर्वनाम संज्ञा के तुरन्त पहले प्रयुक्त हो या सर्वनाम के तुरन्त बाद कोई संज्ञा प्रयुक्त हो तो वह, सार्वनामिक विशेषण कहलाता है -

जैसे- इस पुस्तक को पढ़ो। उस गंद से खेलो।



यह घड़ी मेरी है। वह लड़का मेरा भाई है।

इस पेन से लिखो। उस चाकू से काटो।

सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण में अंतर- यदि कोई शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त हो तो वह सर्वनाम कहलाता है लेकिन जब वही शब्द संज्ञा के तुरन्त पहले प्रयुक्त हो तो वह सार्वनामिक विशेषण कहलाता है-

जैसे- इससे खेलो। इस बॉल से खेलो। यह पदो। यह पत्र पदो।  
↓ ↓ ↓ ↓  
 सर्वनाम सार्व.वि. सर्वनाम सार्व.वि.

⑤ व्यक्तिवाचक विशेषण— व्यक्तिवाचक संज्ञा का कोई शब्द जब विशेषण का रूप धारण करले अर्थात् व्यक्तिवाचक संज्ञा से बनने वाला विशेषण व्यक्तिवाचक विशेषण कहलाता है—

जैसे— जयपुर— जयपुरी रजाइयाँ, जोधपुर— जोधपुरी साफे

बीकानेर— बीकानेरी रसगुल्ले, कश्मीर— कश्मीरी कैसर

जागौर— जागौरी बैल, गुजरात— गुजराती ढोकसा